124 WD 53

Statement of Rajkumar Kongari. A.A.J.VS Janjati Sevak Tirang to M/Strait Area.

→ मैं राजकुमार कोंगाड़ी जो आपके विभाग पर जनजाति सेवक के पद पर हूँ। दिनांक 12.10.13 को 5:40 बजे जिरकाटांग चौकी मे इन्ट्री करके जिरकाटांग के 9 KM (चौधरी छुआरा) जरावा झोपडी के पास ड्यूटी पर तैनात थे।

→ जी.पी.पी जिरकाटांग से छोटे फस्ट कनवाय मिडिल स्ट्रेट जाते समय एक वाहन जो सडक पर जरावा झोपडी के पास आकर रुके। वाहन से उतरकर एक व्यक्ति (PSO) गार्ड झोपडी की तरफ बढ़कर मुझसे कहा आपको M.P साहब बुला रहा हैं। मैं सडक मे जाकर M.P साहब से कहा यहाँ इस तरह गाडी नही रोकना है। साहब व उसके गार्ड वाहन से उतरकर झोपडी की तरफ बढ़ते हुये कहने लगे मुझे जारवाओ से मिलना है

→ मैं जरवाओ को उनके भाषा मे झोपडी से बाहर न आने को कहा उसी वक्त M.P साहब व उसके गार्ड - झोपडी के पास पहुँचकर जरवाओ से कहने लगे। आप क्या खाते हैं। और क्या खाया है। उसमे से एक जरावा नागरीक कुछ हिन्दी समझते हैं। वह बोले सुअर खाते है। बाद मे खायेगा बोलकर झोपडी के अन्दर चला गया। उसके तुरंत बाद M.P साहब एक सवाल फिर किये आपको क्या चाहिए। पर उनको उनके सवाल का कोई जवाब जरावा नागरिक नही दिये। तब M.P साहब व उसके (PSO) गार्ड झोपडी के पास से वापस अपने वाहन की ओर आते है उसमे सवार होकर मिडिल स्ट्रेट की ओर चलने लगे सडक पर पुलिस के स्कोट वहिकल (हरी झंडा) वाहन सडक पर ही खडे थे। M.P साहब के वाहन के पीछे स्कोट वहिकल (हरी झंडा) वाहन मिडिल स्ट्रेट की ओर चला गया।